[इस प्रश्न पत्र में 02 मुद्रित पृष्ठ हैं]

हिमाचल प्रदेश प्रशासनिक सेवा संयुक्त प्रतियोगी (मुख्य / लिखित) परीक्षा, 2020

हिंदी साहित्य (पेपर – I)

निर्धारित समय: तीन घंटे अधिकत्तम अंक: 100

प्रश्न पत्र सम्बन्धी विशेष अनुदेश

उत्तर देने से पूर्व निम्नलिखित निर्देशों को कृपया सावधानीपूर्वक पढ़ें।

1. इसमें आठ प्रश्न हैं जो हिंदी में छपें हैं।
2. उम्मीदवार को कुल पांच प्रश्नों के उत्तर हिंदी में देने हैं।
3. प्रश्न संख्या 1 अनिवार्य है। शेष सात प्रश्नों में से चार प्रश्नों के उत्तर दीजिये।
4. सभी प्रश्नों के समान अंक हैं। प्रत्येक प्रश्न / भाग के नियत अंक उसके सामने दिए गए हैं।
5. सुपाठ्य लिखावट में उत्तर लिखें। प्रश्न के प्रत्येक भाग का उत्तर उसी क्रम में दिया जाना चाहिए।
6. प्रश्नों के प्रयासों की गणना क्रमानुसार की जाएगी। आंशिक रूप से दिए गए प्रश्नों के उत्तर को भी मान्यता दी जाएगी यदि उसे काटा नहीं गया हो। छोड़े गए कोई पृष्ठ अथवा पृष्ठ के भाग को पूर्णत: काट दीजिये।
7. उम्मीदवार की उत्तरपुस्तिका का पुनर्मूल्यांकन / पुन: जाँच की अनुमति नहीं है।

---

1. निम्नलिखित में से किन्हीं दो विषयों पर टिप्पणी लिखिए : (10+10=20)
   (क) 19वीं शताब्दी के खड़ी बोली गद्य पर बोलियों का प्रभाव
   (ख) प्रगतिवादी कविता में व्यंग्य
   (ग) ज्ञानरंजन की कहानियों की भाषा
   (घ) नुक्कड़ नाटक
2. मानक हिंदी के अविकारी शब्दों का सुसंगत वर्गीकरण करते हुए उनकी विशेषताओं का सोदाहरण विवेचन कीजिए। (20)

3. खड़ी बोली, ब्रजभाषा और अवधी के निजी वैशिष्ट्य को उद्घाटित करनेवाले व्याकरणिक ढाँचे का विवेचन कीजिए। (20)

4. रीतिकालीन काव्य में उपस्थित सामंती मनोवृत्ति पर प्रकाश डालिए। (20)

5. "विद्यापति के विरह-वर्णन में हृदय-वेदना का सूक्ष्म पर्यवेक्षण है" — इस कथन की समीक्षा कीजिए। (20)

6. "छायावाद' हिंदी की 'रोमांटिक कविता' है" — कथन के अलोक में छायावाद की प्रवृत्तियों का विश्लेषण कीजिए। (20)

7. "नई कहानी' के रचनाकारों में विविधता है, भिन्नता है, विपरीतता है; पर वे ऐतिहासिक परिस्थितियों के सूत्र से परस्पर जुड़े हैं" — इस कथन पर विचार कीजिए। (20)

8. फणीश्वरनाथ रेणु को आंचलिक उपन्यासकार कहना कहाँ तक उचित है? अपने मत का तर्कयुक्त प्रतिपादन कीजिए। (20)

*****